



# स्मॉल इज दि न्यू थिंग

संदीप महेशवरी

© संदीप महेश्वरी, 2011

सर्वाधिकार सुरक्षित। इस प्रकाशन के किसी भी भाग को किसी भी रूप में या किसी भी तरीके से बिना अनुमति के फिर से तैयार नहीं किया जा सकता है अथवा प्रकाशित नहीं किया जा सकता है। कोई भी व्यक्ति जो इस प्रकाशन के संबंध में कोई अप्राधिकृत काम करता है, उसके विरुद्ध आपराधिक मुकदमा चलाया जा सकता है और हानियों के लिए सिविल दावे किए जा सकते हैं।

प्रकाशक: डचिसन बुक पब्लिशर्स,  
प्लॉट सं०. 22, पीतमपुरा विलेज, दिल्ली-1100034

इस पुस्तक की छवियां और विषय वस्तु का स्वामित्व एकमात्र लेखक का है। इस पुस्तक को इस शर्त और समझबूझ के आधार पर बेचा जा रहा है कि इसकी विषय-वस्तु केवल जानकारी और संदर्भ के लिए है और यह कि न तो लेखक और न ही प्रकाशक, मुद्रक और इस पुस्तक के विक्रेता किसी प्रकार की कानूनी, लेखांकन या अन्य पेशेवर सेवा प्रदान करने के कार्य में संलग्न नहीं हैं। लेखक, प्रकाशक और मुद्रक विशिष्ट रूप से किसी व्यक्ति, चाहे वह इस पुस्तक का क्रेता हो अथवा नहीं, उसके द्वारा इस पुस्तक की विषय वस्तु के आधार पर की गई किसी कार्रवाई या नहीं की गई किसी कार्रवाई के कारण प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से किसी हानि, क्षति, चोट, परेशानी आदि के समस्त और किसी देयता को विशिष्ट रूप से अस्वीकृत करते हैं।

प्रकाशक का यह मानना है कि इस पुस्तक की विषय वस्तु किसी मौजूदा कॉपीराइट/किसी अन्य की बौद्धिक सम्पदा का किसी भी प्रकार से उल्लंघन नहीं करती है। तथापि, यदि लेखक किसी स्रोत का पता नहीं लगा पाता है अथवा किसी कॉपीराइट का अनजाने से अतिक्रम किया जाता है, तो कृपया प्रकाशक को सुधारात्मक कार्रवाई के लिए लिखित में सूचित करें।



## लेखक की टिप्पणी

यह छवि पुस्तक एक दिलचस्प रचना है। इस पुस्तक की विषय-वस्तु को महसूस करें, आनंद लें फिर जिंदगी में उतारें। इसमें जीवन के बड़े पहलुओं को सरल रूप से प्रस्तुत किया गया है। इसमें यह हकीकत फिर से सही साबित की गई है कि आकार के मुकाबले संवेदना का महत्व कहीं अधिक होता है। बच्चे अपने प्रत्येक कार्य के द्वारा जीवन जीने का ज्ञान देते हैं। प्रत्येक छवि एक ऐसी कथा को प्रस्तुत करती है जो विशाल, ब्रह्माण्डीय, और स्थाई है।



## प्राक्कथन

वर्तमान में हर बड़ी वस्तु का संबंध व्यक्ति की भौतिक सम्पदाओं से है — एक बड़ी कार, एक बड़ा मकान या बैंक में जमा बड़ी राशि। एक अंतहीन मार्ग जो कि जीवन की विशालताओं की ओर बढ़ता है, पर चलते-चलते हम भूल जाते हैं कि कुछ ऐसी छोटी-छोटी महत्वपूर्ण बातें होती हैं जिनका जीवन पर प्रभाव बहुत विशाल होता है।

समय बदला है और इसी बदलाव में देखने का नजरिया भी बदला गया है। पहले जिस वस्तु का महत्व अधिक माना जाता था, अब नहीं माना जाता। एक ऐसा भी समय था जब ज्ञान का महत्व अधिक हुआ करता था। ज्ञान प्राप्त करने और उसे बढ़ाने पर ज्यादा बल दिया जाता था। जबकि आज के जमाने में तथ्य और ज्ञान, माउस का एक बटन दबाते ही उपलब्ध हो जाते हैं। इसीलिए, मौजूदा समय में कुछ अलग करने, कुछ अलग सोचने की क्षमता की अहमियत कहीं ज्यादा है।



“यह पुस्तक मेरे बेटे को समर्पित है  
जिसने पूरी तरह से जीवन को  
जीने की शिक्षा दी है।”

## प्रेरणा

आज, जब मैं एक नई शुरुआत की दहलीज पर खड़ा हूँ, मुझसे पूछा गया कि ऐसा क्या है जो मुझे प्रेरित करता है। लोगों कहते हैं कि मैं एक सफल व्यक्ति हूँ लेकिन मैं सोचता हूँ कि सफलता क्या है और मेरी सफलता के लिए कौन उत्तरदायी है। मेरे माता पिता? मेरे अध्यापक? या फिर जिंदगी?

सच है, कि मेरे माता पिता ने प्रेम और स्नेह के साथ मेरा पालन पोषण किया, अध्यापकों ने पुस्तकों के माध्यम से मुझे बहुमूल्य शिक्षाएं दीं तथा जीवन ने मुझे उस सांचे में ढाला जो आज मैं हूँ। हालांकि, गौर से विचार करने पर मुझे पता चला कि यह मेरा बचपन ही है जो मेरे लिए मेरे जीवन की बहुत सी बड़ी शिक्षाओं को समेटे हुए है। जब मैं अपने तीन वर्ष के बेटे को देखता हूँ तब वे शिक्षाएं और अधिक असरदार ढंग से जिंदा हो उठती हैं। मैं अपने जीवन से जितना अधिक अनुभव प्राप्त करता हूँ, यह अहसास उतना ही गहरा हो जाता है कि बच्चा पूरी मानवता के लिए एक शिक्षक होता है।

इस सभी की शुरुआत एक सुस्त रविवार की दोपहर को हुई। आम दिनों की तरह, मैं टी.वी. देख रहा था और मेरा तीन वर्षीय बेटा अपनी ही दुनिया में मस्त था।

उसने एक जीप उठाई, उसे उलटा-पलटा और फेंक दिया। फिर उसने एक हेलीकॉप्टर उठाया, जो उसके सिर के आसपास उड़ता रहा और फर्श पर आकर रुक गया। उसके घूमते हुए पंखों की ओर वह बहुत आकर्षित हुआ तथा उसने उन्हें अलग कर दिया ताकि वह देख सके कि वे कैसे चल रहे थे। हेलीकॉप्टर के अंदर जो उसने देखा, उससे वह संतुष्ट नजर आ रहा था। उसके सीखने के ढंग को देख कर मेरी उत्सुकता बढ़ती जा रही थी। मैं बस यूँ ही सोचने लगा कि क्या उसके भाग्य में इंजीनियर बनना लिखा है। अचानक उसका ध्यान डाईनिंग टेबल पर पड़ी वस्तु कि तरफ आकर्षित हुआ। वो वहां गया और अपने नन्हे हाथ उस तक पहुंचाए। अपनी अंगुलियों से उसने पानी से भरे जग के हैंडल को पकड़ा लिया और उसके चेहरे पर एक जीत कि खुशी झलक रही थी कि उसने वह जग पकड़ लिया।

मैं आश्चर्यचकित हो कर यह सोच रहा था कि क्या उसे रोकूँ? इससे पहले की मैं कोई फैसला करता, उसने अपने नन्हें हाथों से मजबूती से हैंडल को पकड़ा तथा उसने जग को उलट दिया और पानी उसके सिर पर गिरने लगा! वह सिर से पैर तक पानी में भीग चुका था। आजतक मैं यह नहीं समझ सका कि यह दुर्घटनावश हुआ था या ऐसा जानबूझ कर किया गया था लेकिन यह घटना पूरी तरह मेरे मन में एक छाप छोड़ चुकी है। सबसे पहले तो वह अचानक पानी के प्रभाव से हैरान हुआ, फिर उसने यह पक्का करने के लिए अपने आसपास देखा कि कोई बड़ा उसे रोकने के लिए देख तो नहीं रहा है। मैं अपनी मुस्कुराहट को छिपाते हुए अनजान बना रहा, लेकिन मेरी उत्सुकता पूरी तरह जाग चुकी थी। मैं सोच रहा था कि वह अब आगे क्या करेगा।

अब आगे जो कुछ उसने किया, उससे मैं स्तब्ध हो चुका था!

वह खिलखिलाकर हंसने लगा और अपने पैरों को पानी में छपक-छपक मारने लगा। आनन्द मग्न होकर वह दोनों हाथों से तालियां बजा रहा था और उसने अपने अलबेले से अन्दाज में थोड़ा सा नृत्य भी किया। उसकी आंखों में एक खास चमक थी तथा उसके चेहरे से निर्मल खुशी झलक रही थी। मैं उसके इस मासूमियत भरे खेल में खो सा गया था।

मैं अगले कुछ घंटों के लिए पूरी दुनिया को भूल गया और ध्यान से उसको निरन्तर देख रहा था। मैंने उसे खोज करते हुए देखा, उसे अविष्कार करते हुए देखा तथा उसके जीवन जीने के अन्दाज को निहारा। मैं अपने बड़े होने के अहसास को भूल चुका था और मैं अपने बेटे की दुनिया में खो चुका था। मैंने खोजा जीवन, जीवन जीने का आनन्द, खुशियों का रहस्य। मैं सोच के हैरान था कि मैंने पिछली बार कब ऐसे आनन्द का अनुभव किया था। मैं हैरान था कि अपने जीवन में सफलताओं के अनेक पलों के बावजूद मैं बचपन की बहुमूल्य खुशी को खो चुका था, जिसे मैंने अपने तीन वर्षीय अनुभव में देखा।

यह एक आंखे खोल देने वाली घटना थी। मुझे अहसास हुआ कि जो कुछ मैंने देखा है वह एक बेहद खास और बलशाली पाठ था जिसकी खोज की जानी चाहिए। यह एक हैरान करने वाली बात थी कि मेरे पास उसे सिखाने के लिए कुछ नहीं था अपितु उससे सीखने के लिए बहुत कुछ था।

इस प्रकार जो बहुमूल्य सबक मैंने अपने बेटे से सीखे, वे इस प्रकार हैं .....

प्रारम्भ



किसी भी बच्चे की सोच कल्पना के परे होती है। हम जो कुछ सोचते हैं, वह सिर्फ किसी दूसरे द्वारा पहले से ही सोची गई बात या कल्पना की छवि होती है। लेकिन किसी बच्चे के विचार मानव अनुभव या बीते उदाहरणों से सीमित नहीं होते हैं। उसके पास अनखोजे विचारों का असीमित भण्डार होता है।

इस प्रकार जीवन में बड़ी कामयाबियों को प्राप्त करने के लिए हमें किसी बालक के नजरिये की आवश्यकता है, हमें कुछ अलग हट कर सोचने की आवश्यकता है तथा हम केवल तभी असंभव को संभव करने का सपना ले सकते हैं।

यह एक पुरानी सोच है कि जिससे नित्य जैसे दार्शनिक और आइन्स्टाइन जैसे वैज्ञानिक प्रभावित हुए और वे सामान्य व्यक्तियों से कुछ अलग कर सके तथा एक नई दुनिया की खोज की। उन्होंने अपनी सीमाओं से बाहर निकलना सीखा और चीजों को एक अलग नजरिये से देखा। हम क्यों नहीं बच्चों से सबक लें और दुनिया को पूरी तरह एक अलग तरिके से देखें?

मैं उपर बताए विचार को अपने जीवन के तीन उदाहरणों से समझाना चाहूंगा। मैंने अपने जीवन से ही उदाहरण पेश किए हैं क्योंकि वे मेरे लिए बहुत ही वास्तविक और अर्थपूर्ण हैं तथा मैंने जिनसे बहुमूल्य शिक्षाएं प्राप्त की हैं, उन्हें मैं सांझा करना चाहूंगा।

21 वर्ष की आयु में मेरी इच्छा थी कि मार्केटिंग पर एक पुस्तक लिखूं, जो कि कहा जाए तो एक पागलपन ही था। क्या कभी किसी ने सुना है कि एक कालेज की पढ़ाई बीच में छोड़ने वाले छात्र ने मार्केटिंग पर पुस्तक लिखी हो? इसके आलावा, हर किसी ने यह अनुमान लगाना पहले ही शुरू कर दिया कि, 'आप इसे पूरा नहीं कर पाओगे'। लेकिन मेरे अंदर समाए बालपन ने हर किसी को गलत साबित किया। मैंने न केवल 8 महीनों में पुस्तक को लिखा बल्कि उसका प्रकाशन भी करवाया। यह मेरे अंदर मचलते बच्चे की जीत थी।

असंभव कार्य करने का मेरा दूसरा प्रयास था जब मैंने फोटोग्राफी में एक विश्व रिकार्ड बनाने के बारे में सोचा। मेरे मित्रों ने मुझसे अनेक सवाल पूछे— कैसे? क्यों? क्या आप इस विषय पर गंभीर हैं? यह असंभव है, उन्होंने कहा। उनकी बाधाओं की सूची में से 122 माडलों से काम करवाने के लिए बहुत बड़े निवेश की आवश्यकता थी ताकि मैं उनके साथ 12 घंटों से कम समय में 10000 शाट्स खींच सकूं तथा मेरा छोटा सा सेटअप विश्व रिकार्ड बनाने के लिए काफी नहीं था। लेकिन मेरे अंदर के बालक ने अभी तक विचार न की गई बात को सोचा। जिसे दूसरों ने अभी तक असंभव सोचा था, मेरे अंदर के बच्चे ने उसे पूरा कर दिखाया।

इसके बाद मैंने इमेजिज़बाज़ार के बारे में सोचा, स्पष्ट शब्दों में मेरी छवियों के लिए बाज़ार। मैंने फिर से असीमित बाधाओं का सामना किया, जैसे निवेश की कमी, बहुत छोटा समूह तथा दिलचस्पी नहीं रखने वाले निवेशक। ये सब मेरी सफलता के लिए काफी नहीं थे। पीठ के पीछे अनेक लोग कहते कि, 'मैंने भी ऐसा कर लिया होता'। उनके लिए ऐसा कहना संभव था क्योंकि बड़ों का मस्तिष्क केवल वास्तविकता को देखता है अर्थात् कुछ ऐसा जिसे पहले से ही देखा जा चुका है और हकीकत में तब्दील किया गया है। जब मैंने देखा और कर दिखाया, अनेक लोगों का मानना था कि वह भी कर सकते थे! इन सब के लिए और अन्य बहुत से कार्यों के लिए, मैं अपने अंदर समाए बालपन को धन्यवाद देता हूं!

## किसी बालक की तरह विचार कर





किसी बालक की तरह विचार कर

अधिकतर, हैरान कर देने वाले सत्य अक्सर बच्चों के मुँह से ही सुने जाते हैं। वे बच्चे के मस्तिष्क में अचेत स्थिति में रहते हैं। विडम्बना यह है कि हम इस सच्चाई का पता लगाने के लिए गुरुओं के पास जाते हैं, धार्मिक पुस्तकों का अध्ययन करते हैं तथा ध्यान लगाते हैं और मंत्रोंच्चारण करते हैं! हमें केवल इतना ही देखना है कि कोई बच्चा किस प्रकार से जीवन जीता है!

यह सच है कि प्रत्येक मनुष्य के अन्दर एक बच्चे का वास होता है। वह बच्चा जो उस मनुष्य विशेष को मुस्कराने और जीवन जीने का अहसास कराता है। प्रश्न है कि हम बड़े क्यों होते हैं? साधारण सी बात है कि बड़ों की दुनिया हमें ऐसा करने के लिए कहती है। बड़ों के रूप में हम जीवन को जीना भूल गये हैं तथा हम यह समझते हैं कि यह हमारा कर्तव्य है कि हम जीवन को न जीने की इन शिक्षाओं को पीछे छोड़ कर आगे बढ़ें। बच्चे को बार बार यह समझाया जाता है कि किस प्रकार से व्यवहार करना है, क्या करना है, कैसे करना है, जबकि ये तो इसके विपरीत किया जाना चाहिए।

यदि आप कुछ पल रुकें तथा किसी बालक के व्यवहार को ध्यान से देखें तो आपको उसके व्यक्तित्व में कुछ आश्चर्यजनक बातें देखने को मिलेंगी तथा आप इस बात को लेकर अफसोस करेंगे कि, 'मेरे बचपन के दिन कहां चले गए?'

यह अपनी बड़े होने कि विचारधाराओं से लौटकर एक "बचपन" की ओर मुड़ने की उपयोगी सोच है, जो कि दुनिया अधिक अच्छे से सोच सकता है तथा अंधकार में डूबी वास्तविकताओं से परे देख सकता है।

कोई बच्चा रो सकता है तथा गुस्सा दिखा सकता है लेकिन वह कभी भी दुखी या उदासी से पीड़ित नहीं होता है। उसे नहीं मालूम की उदासी होती क्या है। वह नकारात्मकता, परेशानी, दुख तथा क्रूरता के पाठ बड़ों की दुनिया से सीखता है।

हम बच्चों से क्यों नहीं सीखते हैं?

इस पुस्तक में आप ऐसी अनेक बातों को देखेंगे जिन्हें आप अपने में शामिल करना चाहेंगे तथा आप हमेशा के लिए अपनी जीवन जीने के तरिके को बदलना चाहेंगे!

## बच्चे की तरह जीओ



बच्चे की तरह जीओ

लोग बूढ़े नहीं होते हैं।  
जब वे अपना विकास करना रोक देते हैं, तो वे बूढ़े हो जाते हैं।  
अज्ञात

अपनी इच्छा से बचपन को खोज लेना ही बुद्धिमत्ता है।  
आर्थर रिमबारुड

जब बचपन की मौत होती है, तो इसके मृत शरीर को वयस्क कहा जाता है।  
ब्रायन एल्लिस

यदि आप अपने बालपन को अपने साथ लेकर चलते हैं, तो आप कभी भी बूढ़े नहीं होते हैं।  
टॉम स्टाप्पार्ड

हिंसक अपराध के लिए जेल में बन्द प्रत्येक व्यक्ति का बचपन भयावह रहा था।  
रॉब रिनर

बालपन की अपनी गोपनीय बातें और रहस्य होते हैं; लेकिन कौन उन्हें बता सकता है या कौन उन्हें समझा सकता है!  
मैक्स म्यूलर

दुनिया ऐसे लोगों से भरी पड़ी है जिन्होंने कभी भी अपने बचपन से लेकर खुले दिमाग से सच्चाई को देखा ही नहीं है।  
ई.बी. व्हाइट

आईए



## डर से मुक्त हों

डर का वास मस्तिष्क में होता है; अपने मस्तिष्क को आजाद करें और अज्ञात में छलांग लगाएं।



## उत्सुक बनें

यदि मन में उत्साह हो तथा सीखने  
की इच्छा हो तो जीवन के  
रहस्य खुलने लगते हैं।



# विश्वास करें

बालपन की मान्यताओं  
को अपने आप में  
बने रहने दें।





## विश्वास रखें

हृदय से निकली एक साधारण  
प्रार्थना बड़ी से बड़ी बाधाओं  
को दूर कर सकती है।



## उत्सव मनाएं

अपने हृदय के बन्द दरवाजों  
को खोलें, उल्लास मनाएं  
तथा खुशियां बिखरें।



परिवर्तनशील बनें

पुरानी परिपाटियों पर  
चलते रहना, ठहराव है।



चुनौती  
स्वीकार करें

क्या हुआ यदि यह छोटा है,  
यह सोच ही है, जो महत्वपूर्ण है।



## अधिक की अपेक्षा करें

ज्यादा की अपेक्षा लालच नहीं है;  
यह दुनिया को अपनी मुठ्ठी में  
भर लेने की महत्त्वकांक्षा है।





# मुक्त हों

केवल एक बच्चा ही  
बेहिचक और अनजाने  
में कुछ भी कर सकता है।



सपने संजोएं

अनन्त तक पहुंचने  
का प्रयास करें।



## अंतर्मन को सुनें

अपनी आंखें बन्द करें और जीवन  
की कठोर सच्चाईयों में भी  
कोमलता देखें।





## खोजें करें

आंखों को वह देखने दें  
जो हृदय महसूस करता है  
न कि वह जो दुनिया दिखाती है।



# आगे बढ़ते रहें

आईये विपरीत परिस्थितियों  
में भी आगे बढ़ते रहने  
का संघर्ष करें।



©ImagesBazaar

## रचना करें

हृदय से सोचने के  
लिए मस्तिष्क को  
मुक्त करें।



## उड़ान भरें

जब आप योग्यता रखते हैं,  
तो क्यों सफलता की  
ऊंचाई नहीं छूते!





## मित्र बनाएं

सच्ची दोस्ती कोई बड़ी चीज  
नहीं है—यह तो असंख्य  
छोटी-छोटी बातों  
का संग्रह है।



## मुस्कुराएं

क्या दुनिया में  
कोई ऐसी चीज है जो  
इसकी बराबरी कर सकती है?



# मौज मस्ती करें

जिंदगी और भी  
खुशनुमा हो जाती है यदि  
आप इसे पूरी तरह से जीएं।





## सहायता करें

यात्रा को सुखद  
बनाते हुए एक साथ आगे  
बढ़ना, एक शानदार तरीका है।





## आशावान बनें

अंधेरे को दूर  
करने के लिए आशा  
की एक किरण ही पर्याप्त है।



## कल्पनाशील बनें

कल्पनाशील बनें क्योंकि  
आप नहीं जानते कि कब कोई  
विचार जीवन को बदल सकता है।



## सीखें

प्रत्येक कौशल का  
अपना महत्व है और सीखने  
का कोई समय नहीं होता।



# जीवन जीएं

जीवन में एक क्षण भी  
खुशियों का क्यों गंवाया जाए।



## प्रेम करें

प्रेम कोई बंधन नहीं  
मानता तथा इसके साथ  
कोई शर्तें नहीं जुड़ी होतीं।





## नेक बनें

दयालुता का हर कार्य एक  
बेहतर कल के लिए योगदान देता है।



## कड़ा प्रयास करें

थोड़ा सा अतिरिक्त प्रयास  
करने से असाधारण सफलता  
आसानी से प्राप्त कर सकते हैं।



## सांझा करें

उदारता का एक  
छोटा सा कार्य भी  
महत्वपूर्ण होता है।





## समाधान खोजें

ऐसा क्यों है कि हमें समस्याओं  
का सामना करना पड़ता है;  
ताकि हम उनका समाधान  
खोज सकें!!!



## रोमांचक बनें

किसी उत्साहपूर्ण कार्य को  
करते हुए जीवन को  
रोमांचक बनाएं।



# कभी हार न मानें

पहले चरण से ही आरम्भ करें;  
पूरी दुनिया आपकी मुट्ठी में होगी!



## अभिलाषा करें

यदि भगवान देने के  
इच्छुक हैं, तो हम अपनी  
अभिलाषाओं को क्यों  
सीमित करें?

कड़ा प्रयास करें कल्पनाशील बनें सहायता करें  
अंतर्मन को सुनें मौज करें मुक्त हों  
जीवन्तता अपनाएं दुनिया खोंजे नेक बनें  
भयमुक्त हों रखें सपने संजोए मौज मस्ती करें  
कभी हार न मानें मित्र बनाएं विश्वास करें  
चुनौती स्वीकार करें उत्सव मनाएं अभिलाषा करें  
मुस्कुराएं प्रेम करें उड़ान भरे सीखें बढ़ते बढ़ते  
अधिक की अपेक्षा करें उत्सुक बनें आगे बढ़ते बढ़ते  
आशावान बनें समाधान खोजें

# आईए







# संदीप महेश्वरी: संक्षिप्त परिचय

संदीप महेश्वरी, ImagesBazaar के संस्थापक, इसी रूप में दुनिया उन्हें जानती है।

बचपन के एक मित्र के रूप में, मैं इस 30 वर्षीय बालक को जानता हूँ जो जीवन के प्रत्येक आयाम को छूता है। घर में वह एक जिवान्त शिशु है। उसकी पत्नी जोकि उसके साथ पिछले 15 वर्षों से है — का कहना है कि, 'इनसे शादी करना जैसे एक स्कूल में होने के समान है, वह बिल्कुल भी नहीं बदलें हैं। हम अभी भी अच्छे दोस्त हैं, केवल इतना अंतर है कि अब हम तीन दोस्त हैं — तीसरा अर्थात् तीन वर्षीय बेटा'।

मैं जानता हूँ कि उसको सफलता कोई अचानक या भाग्यवश प्राप्त नहीं हुई है बल्कि उसने अपने मन में बालपन को जीवित रखके यह सफलता हासिल की है। किसी बालक की तरह वह कोई नियम व कायदे नहीं जानता बल्कि वह अपनी सोच से बनाए नियमों के साथ ही जीता है।

किसी व्यक्ति की पहचान उसके गुणों से होती है। संदीप किसी बच्चे की ईमानदारी, (उसके मित्र तथा ग्राहक उसकी सत्यनिष्ठा के साक्षी हैं), बच्चों के निष्पक्ष उत्साह (उसकी पूरी टीम इसी उत्साह से ओत प्रोत है) तथा अंतहीन उत्सुकता का प्रशंसक है जो बच्चों को अकल्पनीय जोखिम तक ले जाती है (उसकी परियोजनाएं जो केवल कल्पनाएं दिखाई देती थीं, इच्छित वास्तविकता हैं)।

जीवन में वह जिसे अलोकिक मानता है, उसकी साक्षी यह पुस्तक है।

बचपन अमर रहे!

*Sunny ARORA*

सन्नी अरोड़ा, संदीप का मित्र